केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 230 रविवार 15 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कोडीन कफ सिरप तस्करी मामले में 8.95 लाख रुपये कुर्क

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नशीली दवाओं के अवैध कारोबार के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वितीय ने कोडीन युक्त कफ सिरप तस्करी मामले में बड़ा कदम उठाया है। अदालत ने मुख्य आरोपी के बैंक खाते में जमा 8 लाख 95 हजार 548 रुपये की धनराशि को अपराध से अर्जित संपत्ति मानते हुए कुर्क करने का आदेश दिया है।

अपर सत्र न्यायाधीश विजय कुमार कटियार ने मामले की सुनवाई करते हुए गणपति फार्मा से जुड़े आरोपी पंकज कुमार के वाराणसी स्थित एक निजी बैंक खाते में जमा राशि को तत्काल प्रभाव से फ्रीज करने के निर्देश दिए। न्यायालय के आदेश के बाद संबंधित बैंक को उक्त धनराशि को सुरक्षित रखते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी पंकज कुमार का संबंध कोडीन युक्त प्रतिबंधित कफ सिरप के अवैध कारोबार से रहा है। जांच एजेंसियों की रिपोर्ट में सामने आया कि आरोपी फर्म के नाम से संचालित बैंक खाते का उपयोग अवैध वित्तीय लेनदेन के लिए किया जा रहा था और खाते में जमा धनराशि इसी अवैध धंधे से अर्जित की गई थी।

क्षेत्राधिकारी सदर सत्येंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि थाना कोतवाली बस्ती में वर्ष 2023 में मुकदमा अपराध संख्या 466ध्2023 एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं में दर्ज किया गया था। जांच के दौरान कई अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई और उन्हें जिला कारागार भेजा गया। इसी मामले में बोगस फर्म गणपति फार्मा के मालिक पंकज कुमार को भी गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में निरुद्ध किया गया है।

तिवारी ने यह भी बताया कि जांच में सामने आई अवैध कमाई के आधार पर न्यायालय के आदेश से आरोपी के वाराणसी स्थित बैंक खाते में जमा 8.95 लाख रुपये की राशि कुर्क कराई गई है। साथ ही, मामले से जुड़े अन्य आरोपियों की संपत्तियों की भी तस्दीक की जा रही है और अवैध रूप से अर्जित संपत्ति के जब्तीकरण की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

युवक ने फांसी लगाकर जान दिया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रूधौली थाना क्षेत्र में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। यह घटना 14 मार्च 2026 को रूधौली के वार्ड नंबर 14, शास्त्री नगर में हुई। मृतक की पहचान श्रवण मिश्र उर्फ झिनकू (लगभग 32 वर्ष) पुत्र राम शुद्ध मिश्रा के रूप में हुई है। प्रभारी निरीक्षक संजय दुबे ने बताया कि मृतक श्रवण ने रस्सी से गले में फंदा लगाकर आत्महत्या की है। परिजनों ने उसे फंदे से उतार दिया था। उसका शव एक गोदाम के अंदर फर्श पर पड़ा मिला। पुलिस को घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से तहरीर प्राप्त की है और पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया कर रही है।

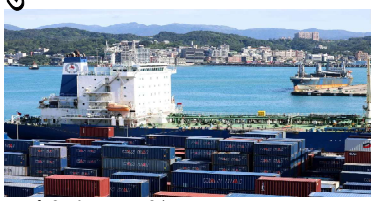

युद्ध के बीच भारतीय जहाज रवाना, दूर होगा गैस का संकट

नई दिल्ली (आभा)। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एलपीजी को लेकर शनिवार को दिल्ली में प्रेस ब्रीफिंग में अहम बयान दिया। उन्होंने बताया कि कुछ जहाज जो भारत के लिए रवाना हुए थे, वे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से सफलतापूर्वक गुजर चुके हैं। 2 भारतीय जहाजों (शिवालिक और नंदा देवी) ने इस जलडमरूमध्य को पार किया है और अब वे भारत के बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं। इन दोनों जहाजों में से प्रत्येक में 46,000 मीट्रिक टन से अधिक एलपीजी लदा हुआ है, जिससे कुल मिलाकर 92,700 मीट्रिक टन एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। उन्होंने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में कई भारतीय जहाज अभी भी स्टैंडबाय पर हैं। भारत सभी संबंधित देशों के साथ संपर्क में बना हुआ है ताकि जहाजों का सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया जा सके। यह प्रयास भारत की ऊर्जा सुरक्षा को बनाए रखने के लिए किया जा रहा है।

रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि क्षेत्र में वस्तुओं और ऊर्जा के निर्बाध परिवहन को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। भारत ने नागरिक बुनियादी ढांचे, विशेषकर ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाने से बचने की अपील की है। उनका मानना है कि यह वैश्विक समुदाय का भी एक प्रमुख प्राथमिकता है। संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर प्रभाव पड़ रहा है, इसलिए भारत ने सभी महत्वपूर्ण पक्षों से संपर्क बनाए रखा है।

कड़ी सुरक्षा में हुई पुलिस भर्ती परीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती लिखित परीक्षा के मद्देनजर जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना ने शनिवार को जिले में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह भी उनके साथ मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने महिला डिग्री कॉलेज, एपीएन डिग्री कॉलेज और गोविंद राम सेकेंडरी इंटर कॉलेज

जैसे परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की कार्यस्थिति, अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास द्वार, पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं की जांच की।

एरियर भुगतान के नाम पर रिश्वत लेने वाला निलम्बित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) विक्रमजोत में एक वरिष्ठ सहायक पर महिला स्वास्थ्यकर्मी से रिश्वत लेने का आरोप लगा है। इस मामले से जुड़ा एक वीडियो सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डॉ. राजीव निगम ने आरोपी कर्मचारी के निलंबन की सिफारिश करते हुए शासन को पत्र भेजा है। पीड़िता सुनीता वर्मा ने बताया कि उनका एरियर काफी समय से बकाया था, जिसके भुगतान के लिए कोर्ट ने आदेश जारी किया था। आरोप है कि विक्रमजोत सीएचसी में तैनात वरिष्ठ सहायक प्रदीप श्रीवास्तव ने इस भुगतान को जारी करने के बदले कुल राशि का 10 प्रतिशत हिस्सा मांगा। सुनीता वर्मा के अनुसार, उन्होंने भुगतान करवाने के दबाव में आकर अब तक दो किस्तों में कुल 45,000

रुपये दिए हैं। पहली किस्त में 25,000 रुपये और दूसरी किस्त में 20,000 रुपये का भुगतान किया गया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी प्रदीप श्रीवास्तव अब भी दबाव बना रहा है कि जब तक 10 प्रतिशत का पूरा हिस्सा (जो कि 1 लाख रुपये से अधिक है) नहीं मिल जाता, तब तक एरियर जारी नहीं किया जाएगा। पीड़िता सुनीता वर्मा ने कहा, मुझसे हर काम के लिए पैसा मांगा जा रहा है। कोर्ट का आदेश होने के बावजूद बिना कमीशन के मेरा जायज हक मुझे नहीं दिया जा रहा।

रिहा होंगे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक

नई दिल्ली (आभा)। केंद्र सरकार ने लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता और इंजीनियर सोनम वांगचुक की नजरबंदी को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का फैसला किया है। गृह मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास का माहौल बनाने तथा सभी हितधारकों के साथ सार्थक संवाद को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। सरकारी बयान के अनुसार, लेह

में 24 सितंबर 2025 को उत्पन्न हुई कानून–व्यवस्था की गंभीर स्थिति के बाद 26 सितंबर 2025 को जिला मजिस्ट्रेट, लेह के आदेश पर एनएसए के तहत सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। सरकार ने कहा कि वह इस अधिनियम के तहत निर्धारित हिरासत अवधि का लगभग आधा समय पूरा कर चुके हैं।

गृह मंत्रालय ने बताया कि सरकार लद्दाख के विभिन्न समुदायों और हितधारकों के साथ लगातार संवाद कर रही है ताकि क्षेत्र के लोगों की आकांक्षाओं और चिंताओं का समाधान किया जा सके। हालांकि, लगातार बंद और प्रदर्शनों के कारण क्षेत्र की सामान्य स्थिति और अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ा है।

घरेलू गैस सिलेण्डर संकट के विरोध में आप ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को भेजा 4 सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को बढ़ती महंगाई और घरेलू गैस सिलेण्डर की कीमतों में वृद्धि के विरोध में आम आदमी पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने कंधों पर सिलेण्डर लेकर प्रदर्शन किया। इसके बाद आप जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप जायसवाल और प्रदेश सचिव पतिराम आजाद के नेतृत्व में जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को 4 सूत्रीय ज्ञापन भेजकर समस्याओं के निस्तारण कराने की मांग किया।

4 सूत्रीय ज्ञापन में कहा गय है कि घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर के दामों में की गई वृद्धि को तत्काल प्रभाव से वापस लेने के साथ ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए ठोस और पारदर्शी नीति लागू की जाए। गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को रसोई गैस पर विशेष सब्सिडी दिये जाने के साथ ही महंगाई पर नियंत्रण के लिए केंद्र सरकार स्पष्ट और जवाबदेह नीति घोषित करे।

ज्ञापन देने के बाद आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप जायसवाल और प्रदेश सचिव पतिराम आजाद ने कहा कि घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर के दामों में 60 तथा कामर्शियल गैस सिलेंडर में 120 रूपये की वृद्धि ने आम जनता और छोटे व्यापारियों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट और स्ट्रीट फूड से जुड़े छोटे कारोबारियों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। सरकार और प्रशासन दावा कर रहा है कि घरेलू गैस का कोई संकट नहीं है जबकि लोग परेशान है और गैस के लिये लम्बी कतारे हैं। । मांग किया कि केन्द्र सरकार तत्काल प्रभाव से समस्या का समाधान निकाले।

ज्ञापन और प्रदर्शन करने वालों में चंद्रभान कनौजिया, धीरेन्द्र कुमार यादव, राम सजन सूर्यवंशी, अमित जायसवाल, उमेश कुमार शर्मा, मिथिलेश भारती, अब्दुल कयूम के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

विद्यालय प्रबंध समिति शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी - विजय आनन्द

–कार्यशाला में विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया बीआरसी के प्रांगण में शनिवार को विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्षों और प्रधानाध्यापकों की एक दिवसीय कार्यशाला खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय आनंद की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यशाला में ब्लॉक के सभी 159 परिषदीय विद्यालयों के एसएमसी अध्यक्ष, प्रधानाध्यापक एवं इंचार्ज प्रधानाध्यापक ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाना, वित्तीय एवं प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करना तथा विद्यालय विकास में समुदाय की सक्रिय भागीदारी को सशक्त बनाना था।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि विद्यालय प्रबंध समिति शिक्षा व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने जोर दिया कि यदि समिति अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी, पारदर्शिता और सजगता के साथ करे, तो विद्यालयों में अनुशासन, संसाधनों का समुचित उपयोग और विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों में उल्लेखनीय सुधार संभव है।

बीईओ ने प्रधानाध्यपकों से कार्यशाला में प्राप्त जानकारियों को अपने–अपने विद्यालयों में प्रभावी रूप से लागू करने और अभिभावकों को विद्यालय की गतिविधियों से जोड़ने की अपील की। ब्लॉक के एआरपी सन्तोष कुमार शुक्ल और रवीश कुमार मिश्र के निर्देशन में कार्यशाला के प्रशिक्षक डॉ श्री नारायन मिश्र, विपिन शुक्ल, मनीष पाण्डेय और लवकुश त्रिपाठी ने विस्तृत ढंग से एसएमसी अध्यक्षों और प्रधानाध्यपकों कार्य दायित्व एवं विद्यालय संचालन के बारे में बताया। प्रशिक्षकों ने बाल अधिकार एवं बाल अधिकारों का संरक्षण, निःशुल्क और बाल शिक्षा का अधिकार, विद्यालय प्रबंध समिति की संरचना, गठन, कार्यकाल, विद्यालय प्रबंध समिति के दायित्व, वित्तीय दायित्व, विद्यालय विकास योजना, स्थानीय प्राधिकारी के कार्य एवं दायित्व, बैठक रजिस्टर, शारदा कार्यक्रम के अंतर्गत आउट ऑफ स्कूल बच्चों का चिन्हांकन, दिव्यांग बच्चे एवं यूडायस की जानकारी, समग्र शिक्षा का सोशल ऑडिट, बालिका शिक्षा एवं प्री स्कूल, निपुण भारत मिशन एवं गुणवत्ता शिक्षा, ऑपरेशन कायाकल्प में एसएमसी के कार्य एवं दायित्व, मध्यान भोजन योजना, अभिभावक एवं सामुदायिक भागीदारी आदि के बारे में विस्तृत ढंग से जानकारी दिया।

इस अवसर पर शिक्षक संघ के पदाधिकारी रामसागर वर्मा, रामपियारे, श्रवण कुमार, प्रेम सागर सहित बड़ी संख्या में प्रधानाध्यापक और एसएमसी अध्यक्ष उपस्थित रहे।

सफाई कर्मचारी संघ के चुनाव का मामला फिर गरमाया: निष्पक्ष जांच, कार्यवाही की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के चुनाव को लेकर विवाद एक बार फिर गरमा गया है। इस मामले में मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए चुनाव प्रक्रिया में अनियमितता का आरोप लगाया गया है। इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच और सही तथ्यों से निदेशक पंचायतीराज को अवगत कराये जाने की मांग किया गया है।

शिकायत के अनुसार संघ के प्रांतीय कार्यालय द्वारा 17 दिसम्बर 2025 को जारी पत्र के माध्यम से जनपद बस्ती में द्विवार्षिक अधिवेशन चुनाव कराने हेतु सिद्धार्थनगर के जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया था। आरोप है कि 25 दिसम्बर 2025 को होने वाले नामांकन की सूचना न तो सार्वजनिक रूप से जारी की गई और न ही स्थान की जानकारी दी गई। साथ ही जिला मंत्री मनोज चौहान, कोषाध्यक्ष पेशकार और

संगठन मंत्री रामकृपाल चौधरी सहित कई पदाधिकारियों को भी नामांकन की जानकारी नहीं दी गई और न तो कार्यकारिणी को भंग किया गया था।

शिकायत में कहा गया है कि 24 दिसम्बर 2025 को जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय बस्ती में प्रदेश संगठन से आए पत्र को प्राप्त कराने के बाद 25 दिसम्बर को बंद कमरे में नामांकन प्रक्रिया पूरी कर ली गई। इस प्रक्रिया की जानकारी न तो किसी समाचार पत्र में प्रकाशित की गई और न ही व्हाट्सएप समूहों में साझा की गई। साथ ही चुनाव के लिए जिला पंचायत राज अधिकारी से अनुमति लेने और जिले के सफाई कर्मचारियों की सत्यापित सूची मंगाने की प्रक्रिया भी नहीं अपनाई गई।

बताया गया कि इस घटनाक्रम से कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया, जिसके बाद सफाई कर्मचारी संघ ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, डीपीआरओ एवं समस्त एडीओ पंचायत को सूचना देते हुए अटल बिहारी प्रेक्षागृह में मतदान कराने के साथ ही मानकों के साथ चुनाव सपन्न कराया गया। इसमें 1681 कर्मचारियों ने हिस्सा लिया और अध्यक्ष पद पर पेशकार, मंत्री पद पर अतुल कुमार पाण्डेय, कोषाध्यक्ष पद पर रामकृपाल चौधरी, जिला संगठन मंत्री पद पर मोहम्मद सलीम तथा लेखा समप्रेक्षक पद पर राजकुमार का चयन किया गया। हालांकि प्रदेश कार्यकारिणी ने इस चुनाव को मान्यता देने से इनकार कर दिया है।

अतुल कुमार पाण्डेय ने बताया कि पूरे मामले की शिकायत 10 मार्च को डीपीआरओ से की गई तथा 11 मार्च को मुख्य विकास अधिकारी से मिलकर जांच की मांग की गई। उन्होंने डीपीआरओ को जांच कर आख्या देने के निर्देश दिए थे, लेकिन आरोप है कि उसके बाद भी डीपीआरओ द्वारा विवादित सूची शासन को भेज दी गई। शिकायतकर्ताओं ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

टेट के सवाल को लेकर शिक्षकों द्वारा पाती भेजने का अभियान जारी

–सफलता मिलने तक जारी रहेगा आन्दोलन– उदयशंकर शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। टेट की अनिवार्यता समाप्त किये जाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ के आवाहन पर शिक्षकों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश, मुख्यमंत्री (उ.प्र.), नेता प्रतिपक्ष भारत और यूपी को शिक्षकों की पाती भेजेने का सिलसिला शनिवार को भी जारी रहा। शिक्षकों ने पाती भेजकर मांग किया कि टेट की अनिवार्यता को तत्काल प्रभाव से समाप्त कराया जाय।

यह जानकारी देते हुये उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष एवं अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ के संयोजक उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि शनिवार को परशुरामपुर ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों पर जाकर कार्यवाहक अध्यक्ष नरेन्द्र द्विवेदी के नेतृत्व में टीईटी के विरोध में संगठन के पदाधिकारियों द्वारा मांग पत्र पर शिक्षकों से हस्ताक्षर करवाया गया। हस्ताक्षर के दौरान संगठन के समस्त पदाधिकारियों को आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालय जटौलिया के शिक्षकों द्वारा सम्मानित किया गया। संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि पदाधिकारी हस्ताक्षर कराने के साथ ही आगामी 13 अप्रैल को जनपद स्तर पर मशाल जुलूस और 3 मई को लखनऊ में आयोजित महारैली में हिस्सा लेने के लिये प्रेरित कर रहे हैं। शिक्षकों की पाती पर हस्ताक्षर कराकर सम्बंधित को डाक और ई मेल से भेजा जा रहा है। इसके साथ ही जनपद के अनेक अनेक हिस्सों में शिक्षकों द्वारा पाती भेजी जा रही है। सफलता मिलने तक आन्दोलन जारी रहेगा ।

रामनगर ब्लाक में अध्यक्ष इन्द्रसेन मिश्र के नेतृत्व में पाती भेजी गई। उन्होने कहा कि जब तक समस्या का समुचित समाधान नहीं हो जाता चरणबद्ध ढंग से आन्दोलन जारी रहेगा ।

इस अवसर पर संरक्षक, सतीश शंकर शुक्ला दिनेश वर्मा कोषाध्यक्ष पंच बहादुर यादव,पावित्री मिश्रा, विवेक तिवारी, भारत राम नवनीत मालवीय, साधना तिवारी, नीतू पाण्डेय, राहुल वर्मा, ओम प्रकाश, अरविंद जायसवाल, राजेश कुमार यादव, जाकिर हुसैन, गुरु लाल वर्मा, हरिप्रसाद शिक्षक उपस्थित रहे।

ग्लूकोमा से बचाव की दिया जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शिवहर्ष किसान पीजी कॉलेज के सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में अंतरराष्ट्रीय ग्लूकोमा दिवस के उपलक्ष्य में ग्लूकोमा (आँखों की गंभीर बीमारी) के प्रति एनएसएस की दोनों इकाईयों नेता जी सुभाष चंद्र बोस एवं रानी लक्ष्मी बाई तथा मां गायत्री फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों, स्वयं सेवकों, सेविकाओं तथा प्राध्यापकों को ग्लूकोमा के कारण, लक्षण और बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आहार एवं पोषण विशेषज्ञ नीरज पाण्डेय ने बताया कि ग्लूकोमा आँखों

की एक ऐसी बीमारी है जिसमें आँख के अंदर का दबाव बढ़ने के कारण दृष्टि तंत्रिका (ऑप्टिक नर्व) को नुकसान पहुँचता है। समय पर पहचान और उपचार न होने पर यह स्थायी अंधेपन का कारण बन सकता है। इसलिए 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को समय–समय पर अपनी आँखों की जांच अवश्य करानी चाहिए।

कार्यक्रम में मां गायत्री फाउंडेशन संस्था के प्रबंधक नीरज पाण्डेय , राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों इकाईयों के संरक्षक डॉ दिनेश , महाविद्यालय के प्रवक्ता डॉ.सूर्य प्रताप सिंह जी, डॉ. प्रमोद रावत , डॉ प्रियेश चौरसिया डॉ अक्षय कुमार , डॉ. हरि ओम पटेल, अभिषेक मिश्रा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक व सेविकाएं तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 15 मार्च 2026 रविवार

सम्पादकीय

बेखौफ अपराधी

उत्तर प्रदेश सरकार लगातार दावे करती रही है कि राज्य में कानून व्यवस्था नियंत्रण में है। मगर पिछले कुछ समय से लगातार अपराध, लूटपाट और हत्या के बढ़ते मामलों ने दावों की कलई खोल दी है। अपराधी बेशक बाद में पकड़ लिए जाते हों, लेकिन सच है कि वे वारदात को अंजाम देने से नहीं चूक रहे। सवाल है उनके भीतर पुलिस का खौफ क्यों नहीं दिखता। पिछले दिनों संभल में कुछ लोग एक युवक को घर से खींच कर ले गए और उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। इस घटना को लोग अभी भूले भी नहीं थे कि बदायूं में गुरुवार को हिंदुस्तान पेट्रोलियम के इथेनाल संयंत्र के दफ्तर में घुस कर दो वरिष्ठ अधिकारियों की गोली मार कर हत्या कर दी गई।

बताया जा रहा है कि काली सूची में डाले गए एक विक्रेता ने इस वारदात को अंजाम दिया। आरोपी पहले भी महाप्रबंधक स्तर के अधिकारी की कार पर हमला कर चुका था। जब इस मामले की पुलिस और जिला प्रशासन स्तर पर शिकायत दर्ज करा दी गई थी, तो आरोपी पर समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

सवाल यह भी है कि उच्च सुरक्षा वाले संयंत्र में हथियार लेकर वह कैसे घुसा? कानून व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों के पास इसका क्या जवाब है? उत्तर प्रदेश में अपराधियों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है, तो स्पष्ट है कि राज्य के पूरे पुलिस तंत्र में समन्वय का अभाव है। आए दिन हो रहीं हत्या की घटनाओं से समझा जा सकता है कि राज्य में अपराध पर लगाम लगने के दावे में दम नहीं है।

जमीनी सच्चाई यही है कि अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। पुलिस की तमाम कथित सख्ती और सक्रियता के बावजूद आपराधिक मानसिकता के लोगों में कानून और सजा का कोई डर नहीं है। ऐसा लगता है कि अपराध नियंत्रण में कहीं न कहीं कमजोर कड़ी रह गई है, जिसकी शिनाख्त नहीं की जा रही है।

आज स्थिति यह है कि लोग खुद को घरों से लेकर दफ्तरों तक सुरक्षित नहीं पा रहे हैं। आए दिन जघन्य अपराधों के मद्देनजर उनकी चिंताएं नाहक नहीं हैं। सवाल है कि राज्य सरकार अपराध और अपराधियों पर काबू करने के जो दावे करती रही है, हकीकत उसके उलट क्यों दिख रही है।

बढती मंहगाई, घटती आमदनी

जब किसी भी तरह के रोजगार से आय का स्तर ठहरा हुआ हो, जरिया सीमित हो, तो आम आदमी की उम्मीद यही होती है कि बाजार में जरूरी वस्तुओं की कीमतें उसकी पहुंच में हों या फिर कम से कम स्थिर रहें। मगर पिछले कुछ वर्षों से आमदनी की तुलना में रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए लोगों को जितना खर्च करना पड़ रहा है, वह कई बार भारी पड़ता है।

माना जाता है कि दिसंबर से फरवरी तक की अवधि में बाजार में सब्जियों की आवक ज्यादा होने की वजह से महंगाई काबू में रहेगी। मगर सरकार की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में खुदरा महंगाई फरवरी में बढ़ कर 3.21 फीसद हो गई। हालांकि जनवरी में यह 2.74 फीसद के स्तर पर रही थी। जाहिर है, सिर्फ एक महीने के भीतर जरूरी वस्तुओं की कीमतों में तेज इजाफा हुआ और यह पिछले दस महीने के सबसे उच्च स्तर पर दर्ज किया गया।

कहा जा सकता है कि फरवरी के आंकड़े के मुताबिक महंगाई दर चार फीसद से नीचे है, लेकिन यह भी देखने की जरूरत है कि कीमतों के संदर्भ में जरूरी सामान तक आम लोगों की पहुंच किस हद तक आसान है। यह छिपा नहीं है कि रोजगार और आय की कसौटी पर देश की ज्यादातर आबादी के लिए स्थिति अब भी संतोषजनक नहीं है। लंबे समय से स्थिर आमदनी और कमजोर क्रयशक्ति की स्थिति में जब सबसे जरूरी चीजों पर लोगों का खर्च थोड़ा भी बढ़ता है, तो उसके लिए मुश्किलें पैदा होती हैं।

फरवरी में महंगाई के आंकड़ों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण दरअसल खाने-पीने की चीजों के दामों में बढ़ोतरी रहा। खुदरा महंगाई से इस बात का पता चलता है कि ग्राहकों की खपत और खर्च की स्थिति क्या है। इसी वजह से रिजर्व बैंक अपनी नीति तय करते समय खुदरा महंगाई को ही अपना आधार बनाता है। अगर खुदरा महंगाई की दर उसके तय दायरे यानी चार फीसद के बाहर चली जाती है तो फिर कर्ज के सस्ता होने की उम्मीद भी कम हो जाती है।

महंगाई के ताजा आंकड़े फरवरी के हैं, जब पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात नहीं थे। अब पिछले कुछ दिनों से जिस तरह ईरान के खिलाफ इजराइल और अमेरिका की साझा जंग चल रही है, उसका बाजार में थोक और खुदरा महंगाई पर क्या असर पड़ेगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। दरअसल, युद्ध की वजह से तेल की सहज आपूर्ति को लेकर पहले ही कई तरह की आशंकाएं उभर रही थीं कि इस बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री मार्ग को बाधित कर दिया। इसके बाद उस रास्ते से भारत में भी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति व्यापक पैमाने पर बाधित हुई है और इसका असर बाजार पर पड़ना तय माना जा रहा है। फिलहाल खाना पकाने वाले गैस की कीमत में इजाफा और गैस सिलेंडरों की कमी की आशंका में लोगों के बीच मची अफरा-तफरी देखी जा सकती है। ऐसे में इस बात की आशंका गहरा रही है कि अगर युद्ध लंबा खिंचा और कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित रही, तो भारत में भी पेट्रोल-डीजल के दाम पर भी इसका व्यापक असर पड़ सकता है। इसके बाद माल ढुलाई में बढ़ोतरी के साथ स्वाभाविक रूप से बाजार में मौजूद सभी चीजें महंगी होंगी। जाहिर है, सरकार को आने वाले दिनों में हालात का आकलन कर महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने की जरूरत है।

इटावा का ऐतिहासिक चुनाव और बहुजन राजनीति का उभार

—अखिल कुमार यादव—

15 मार्च भारतीय राजनीति और सामाजिक न्याय के आंदोलन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण तिथि है। इसी दिन बहुजन आंदोलन के महानायक कांशीराम का जन्म हुआ था। उन्होंने भारतीय लोकतंत्र में उन वर्गों की आवाज को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया, जिन्हें सदियों तक सामाजिक और राजनीतिक सत्ता से दूर रखा गया था। कांशीराम का पूरा जीवन इस विचार के लिए समर्पित रहा कि जब तक बहुजन समाजकृदलित, पिछड़े, आदिवासी और अल्पसंख्यककृराजनीतिक सत्ता में भागीदारी नहीं करेगा, तब तक सामाजिक सम्मान और बराबरी का सपना अधूरा रहेगा। उनकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की राजनीति नहीं थी, बल्कि सामाजिक चेतना को राजनीतिक शक्ति में बदलने की राजनीति थी। इसी कारण उन्हें भारतीय लोकतंत्र में बहुजन राजनीति के सबसे बड़े वास्तुकारों में गिना जाता है। कांशीराम की राजनीतिक चेतना अचानक विकसित नहीं हुई थी। इसके पीछे लंबा वैचारिक अध्ययन और सामाजिक अनुभव था। उनकी सोच पर सबसे गहरा प्रभाव भीमराव रामजी आंबेडकर के विचारों का था, जिन्होंने दलितों और वंचित समाज के लिए सामाजिक न्याय और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की लड़ाई लड़ी। इसके साथ ही ज्योतिराव गोविंदराव फुले और ई. वी. रामासामी जैसे सामाजिक क्रांतिकारियों की विचारधारा ने भी कांशीराम को प्रभावित किया। इन सभी विचारकों का साझा संदेश था कि सामाजिक असमानता को खत्म किए बिना लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ पूरा नहीं हो सकता। कांशीराम ने इन विचारों को केवल सिद्धांत के रूप में नहीं अपनाया, बल्कि उन्हें संगठित राजनीतिक आंदोलन का आधार बनाया।

सरकारी नौकरी के दौरान ही कांशीराम को यह एहसास हुआ कि केवल सामाजिक आंदोलन से परिवर्तन संभव नहीं हैय इसके लिए राजनीतिक शक्ति हासिल करना भी जरूरी है। इसी सोच के साथ उन्होंने कर्मचारियों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए बामसेफ का गठन किया। इसके बाद दलित शोषित समाज संघर्ष समिति यानी डीएस–4 का गठन हुआ, जिसने बहुजन समाज के बीच व्यापक राजनीतिक चेतना पैदा की। अंततः इसी वैचारिक यात्रा से बहुजन समाज पार्टी की स्थापना हुई, जिसने उत्तर भारत की राजनीति में एक नई धारा पैदा की। कांशीराम केवल संगठनकर्ता ही नहीं बल्कि एक तेजस्वी राजनीतिक विचारक भी थे। उनकी चर्चित पुस्तक चमचा युग में उन्होंने उस प्रवृत्ति की आलोचना की जिसमें वंचित समाज के कुछ नेता सत्ता के प्रभाव में आकर अपने ही समाज की वास्तविक समस्याओं से दूर हो जाते हैं। इस पुस्तक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक बहुजन समाज अपना स्वतंत्र नेतृत्व विकसित नहीं करेगा, तब तक सामाजिक न्याय की लड़ाई अधूरी रहेगी। इसी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने एक प्रभावशाली नारा दियाकृ

यह नारा धीरे–धीरे उत्तर भारत की राजनीति में सामाजिक प्रतिनिधित्व की मांग का प्रतीक बन गया। इसने बहुजन समाज के भीतर यह विश्वास पैदा किया कि लोकतंत्र में उनकी संख्या ही उनकी राजनीतिक शक्ति बन सकती है।

बहुजन समाज पार्टी बनने के बाद भी संसद तक पहुंचने का रास्ता आसान नहीं था। शुरुआती चुनावों में पार्टी को सीमित सफलता मिली और कई जगह हार का सामना करना पड़ा। लेकिन कांशीराम निराश नहीं हुए। वे लगातार संगठन मजबूत करने और जनता के बीच अपनी विचारधारा फैलाने में लगे रहे। वे गांव–गांव जाकर बैठकों और चौपालों के माध्यम से लोगों को यह समझाते थे कि राजनीतिक सत्ता ही सामाजिक सम्मान का रास्ता खोल सकती है। इसी संघर्ष के बीच उत्तर प्रदेश की एक लोकसभा सीट बहुजन राजनीति के लिए ऐतिहासिक साबित हुईकृ इटावा। वर्ष 1991 का आम चुनाव उत्तर प्रदेश की राजनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण था। इस समय देश में मंडल राजनीति का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा था। पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने के निर्णय ने भारतीय राजनीति को नई दिशा दी थी और सामाजिक न्याय का सवाल पूरे देश में प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बन चुका था। इसी दौर में कांशीराम ने इटावा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने का फैसला किया। इटावा उस समय समाजवादी राजनीति का मजबूत गढ़ माना जाता था। यहां यादव, शाक्य, कुर्मी और अन्य पिछड़े वर्गों के साथ–साथ दलित समाज की भी बड़ी आबादी थी। यह क्षेत्र लंबे समय से समाजवादी विचारधारा से प्रभावित रहा था और स्थानीय राजनीति में पिछड़े वर्गों की भूमिका मजबूत थी। लेकिन चुनाव का माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया। मतदान के दौरान हिंसा, बूथ कैप्चरिंग और चुनावी अनियमितताओं की शिकायतें सामने आईं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि उस समय के मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन को हस्तक्षेप करना पड़ा और उन्होंने इटावा लोकसभा सीट का चुनाव निरस्त कर दिया। यह घटना उस समय पूरे देश में चर्चा का विषय बन गई और चुनाव आयोग की सख्ती की मिसाल के रूप में देखी गई।

जब दोबारा चुनाव की घोषणा हुई तो इटावा का राजनीतिक मैदान और भी रोचक हो गया। इस बार कुल 48 उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतर आए। इतनी बड़ी संख्या में प्रत्याशियों का मैदान में उतरना अपने आप में रिकॉर्ड था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना था कि इसके पीछे एक रणनीति थीकृबहुजन समाज पार्टी के वोटों को विभाजित करना। कई छोटे दलों और बड़ी संख्या में निर्दलीय उम्मीदवारों को मैदान में उतारा गया ताकि बहुजन वोट कई हिस्सों में बंट जाए और कांशीराम की जीत मुश्किल हो सके। लेकिन कांशीराम ने इस चुनौती को बेहद शांत और आत्मविश्वास के साथ स्वीकार किया। उनका चुनाव प्रचार पारंपरिक नेताओं से बिल्कुल अलग था। वे गांव–गांव जाकर चौपालों में लोगों से संवाद करते थे और कहते थे कि यह चुनाव केवल एक सीट जीतने का चुनाव नहीं है, बल्कि बहुजन समाज को सत्ता में भागीदारी दिलाने की लड़ाई है। उनका सीधा और स्पष्ट संदेश लोगों को प्रभावित करता था।

इसी चुनाव में एक और महत्वपूर्ण राजनीतिक पहलू थाकृटावा क्षेत्र में उभरते समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव का प्रभाव। मुलायम सिंह यादव उस समय उत्तर प्रदेश की समाजवादी राजनीति के सबसे प्रभावशाली नेताओं में थे और इटावा–मैनपुरी–फिरोजाबाद का इलाका उनके मजबूत राजनीतिक आधार के रूप में जाना जाता था। कांशीराम की जीत में मुलायम सिंह यादव के प्रभाव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उस समय भले ही औपचारिक गठबंधन नहीं था, लेकिन मुलायम सिंह यादव के सामाजिक आधार ने इस चुनाव के माहौल को प्रभावित किया। पिछड़े वर्गों के एक बड़े हिस्से में कांशीराम के प्रति सकारात्मक माहौल बना और स्थानीय स्तर पर समाजवादी विचारधारा से जुड़े कार्यकर्ताओं ने उनका समर्थन किया। यही कारण है कि इटावा की यह जीत केवल बहुजन समाज पार्टी की जीत नहीं मानी गई, बल्कि इसे दलित और पिछड़े वर्गों की संभावित राजनीतिक एकता की शुरुआत के रूप में भी देखा गया। यह वही सामाजिक समीकरण था जिसने आगे चलकर उत्तर प्रदेश की राजनीति को गहराई से प्रभावित किया।

जब मतगणना का दिन आया तो पूरे प्रदेश की निगाहें इटावा पर टिक गईं। परिणाम घोषित हुआ और कांशीराम ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को लगभग बाइस हजार वोटों से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस चुनाव में अधिकांश उम्मीदवार अपनी जमानत तक नहीं बचा सके। इस तरह कांशीराम ने 47 प्रत्याशियों को हराकर पहली बार लोकसभा में प्रवेश किया। यह जीत बहुजन आंदोलन के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था। संसद में पहुंचने के बाद कांशीराम ने दलित–पिछड़े समाज के सवालों को राष्ट्रीय मंच पर मजबूती से उठाया और सामाजिक न्याय की राजनीति को नई दिशा दी। इसी दौर में कांशीराम और मुलायम सिंह यादव के बीच राजनीतिक समझ और मजबूत हुई। दोनों नेताओं ने महसूस किया कि अगर दलित और पिछड़े वर्ग की राजनीति एक साथ आए तो उत्तर प्रदेश की सत्ता का समीकरण बदल सकता है। यही सोच आगे चलकर 1993 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के समय समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के ऐतिहासिक गठबंधन में दिखाई दी। उस समय बना नारा–'मिले मुलायम–कांशीराम, हवा में उड़ गए जय श्रीराम' उत्तर प्रदेश की राजनीति में लंबे समय तक गूंजता रहा और सामाजिक न्याय की राजनीति के नए अध्याय का प्रतीक बन गया।

आज भी कांशीराम की राजनीतिक विरासत भारतीय राजनीति में स्पष्ट दिखाई देती है। बहुजन प्रतिनिधित्व, सामाजिक न्याय और राजनीतिक भागीदारी का जो विमर्श उन्होंने शुरू किया था, वह आज भी कई राजनीतिक दलों की रणनीति और विचारधारा में दिखाई देता है। समाजवादी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अखिलेश यादव ने जब यह घोषणा किया कि कांशीराम जी की 92वीं जयंती को बहुजन समाज दिवस (पीडीए दिवस) के रूप में मनाया जाएगा। यह घोषणा इस बात का संकेत है कि कांशीराम और मुलायम सिंह यादव द्वारा स्थापित सामाजिक न्याय की राजनीति आज भी प्रासंगिक है और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है।

खामेनेई की मौत पर मोदी की चुप्पी के मायने

—योगेन्द्र योगी—

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी ने कई तरह के राजनीतिक और कूटनीतिक सवाल खड़े कर दिए हैं। अमरीका द्वारा ईरान पर हमला करने के बाद भारत में ईरान के दूतावास ने दुनिया भर की सरकारों से आग्रह किया था कि वे अमेरिका–इजराइल द्वारा तेहरान पर किए गए हमले और उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को मार दिए जाने की कड़ी निंदा करें। ईरानी दूतावास ने कहा था कि भारत स्थित इस्लामिक गणराज्य, ईरान का दूतावास दुनिया भर की आजाद और स्वतंत्रता की पक्षधर सरकारों से इस जघन्य अपराध की कड़ी निंदा करने तथा अराजकता एवं आक्रामकता के सामने खामोश नहीं रहने का आह्वान करता है। इसके बावजूद केंद्र सरकार की तरफ से निंदा का कोई बयान नहीं आया।

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की निंदा करने के बजाए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा था कि ऐसे विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव है। उन्होंने दोहराया कि भारत की नीति हमेशा शांतिपूर्ण समाधान की रही है। सरकार का कहना है कि किसी भी संघर्ष की स्थिति में बातचीत का रास्ता अपनाना जरूरी है। मोदी की तरफ से अपेक्षित बयान नहीं आने पिपक्षी दल भड़क गए। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की लक्षित हत्या पर मोदी सरकार की 'चुप्पी' को लेकर कहा कि उनका यह रुख भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह पैदा करता है।

आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने याद दिलाया कि कैसे पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया था, जो मई 2024 में अजरबैजान में एक हेलीकॉप्टर क्रैश में सात लोगों के साथ मारे गए थे। संजय सिंह ने कहा मोदी जी, आज क्या हुआ? आपने ईरान के प्रेसिडेंट की मौत पर राष्ट्रीय शोक घोषित किया था। आप ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर एक भी शोक ट्वीट करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं, क्योंकि इसके लिए अमेरिका जिम्मेदार है।

भारत का किसी एक देश के लिए यह दृष्टिकोण कोई अपवाद नहीं है, बल्कि भारत की पारंपरिक विदेश नीति के सिद्धांतों के अनुरूप हैकृजटिल संघर्षों में प्रत्यक्ष गठबंधन से बचना और स्थिरता को प्राथमिकता देना है। भारत की प्रतिक्रिया कई वैश्विक शक्तियों की प्रतिक्रिया के समान है, जिनमें से कई ने संवेदना व्यक्त करने या सीधे तौर पर निंदा करने से परहेज किया है। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 57 सदस्यों में से बहुत कम देशों ने शोक व्यक्त किया। रूस, चीन, उत्तर कोरिया, इराक, तुर्की, पाकिस्तान और मलेशिया जैसे कुछ देशों ने तीखी प्रतिक्रिया दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे निंदनीय बताया, जबकि चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने घटना को स्वीकार्य नहीं कहा। इराक में तीन दिन का शोक घोषित किया गया। हालांकि अधिकांश मुस्लिम बहुल देशों ने औपचारिक रूप से संवेदना व्यक्त नहीं की।

भारत के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर संयम और संवाद की अपील की। साथ ही ईरान द्वारा संयुक्त अरब अमीरात के सहयोगियों पर किए गए हमलों की आलोचना भी की गई। सरकार का कहना है कि भारत का रुख राष्ट्रीय हितों और क्षेत्रीय स्थिरता को ध्यान में रखकर तय किया गया है। गौरतलब है कि खाड़ी देशों से भारत के द्विपक्षीय संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को लेकर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन सरकार ने इसे साम्प्रदायिक रूप देने की बात से दूरी बनाए रखी है। ऐसा नहीं है कि भारत किसी देश के मामले में ऐसा स्टैंड पहली बार लिया हो, यह रुख पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर देखा गया है, जहां भारत ने सीधे बयान देने के बजाय संतुलित कूटनीतिक भाषा का उपयोग किया है। भारत की अमरीकाकृईरान युद्ध पर सतर्क भाषा रूस–यूक्रेन संघर्ष जैसे पूर्व के संकटों से बिल्कुल अलग है, जिनमें भारत ने प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच संबंधों को संतुलित करने का प्रयास किया था। दिलचस्प बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी की फोन कॉल पर यूएई के बयान में कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। इसमें संकेत दिया गया था कि प्रधानमंत्री मोदी यूएई द्वारा जवाबी कार्रवाई में उठाए जाने वाले किसी भी कदम का समर्थन करते हैं। बयान में कहा गया था कि भारतीय प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात द्वारा अपनी संप्रभुता की रक्षा, अपनी सुरक्षा की सुरक्षा और अपने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे सभी उपायों में भारत की एकजुटता व्यक्त की। नेतन्याहू से बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने घटनाक्रम पर भारत की चिंताओं को व्यक्त किया और शीघ्र युद्धविराम का आह्वान किया।

देश में उच्च शिक्षा की तस्वीर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता

—डा. वीरेन्द्र भाटिया—

देश के अनेक राज्यों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आष्टफिशियल इंटैलीजैंस) के ज्ञान और इस्तेमाल को उच्च शिक्षा के छात्रों के सिलेबस में शामिल किया जा रहा है, यह एक अच्छी पहल है। आज उच्च शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक क्रांतिकारी बदलाव ला रही है, जो शिक्षण, सीखने और प्रशासनिक कार्यों को अधिक स्मार्ट और सक्षम बना रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने वाला एक सहायक औजार बन गई है।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता छात्र की सीखने की गति और शैली को समझकर पाठ्यक्रम को अनुकूलित कर सकती है। यह पिछड़े छात्रों की पहचान करने और उनके लिए विशेष ट्यूटोरियल प्रदान करने में मदद करती है। चौटबॉट और वर्चुअल ट्यूटर छात्रों को 24–7 सहायता प्रदान करते हैं, जिससे उनके सवालों के तुरंत जवाब मिल जाते हैं और वे अपनी पढ़ाई को बेहतर ढंग से प्रबंधित कर पाते हैं। परीक्षा, और अन्य प्रशासनिक कार्यों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग समय और संसाधनों की बचत करता है, जिससे शिक्षक अपना ध्यान पढ़ाने और शोध पर लगा पाते हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े टूल डाटा का विश्लेषण करने, जटिल पैटर्न की पहचान करने और शोध पत्रों के सारांश तैयार करने में शोधकर्ताओं की मदद करते हैं, जो अकादमिक अनुसंधान की गुणवत्ता बढ़ाते हैं। ए.आई.–आधारित टूल्स (जैसे टैक्स्ट–टू–स्पीच और रीयल–टाइम अनुवाद) दिव्यांग छात्रों के लिए अध्ययन सामग्री को सुलभ बनाकर समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से उन छात्रों की पहचान पहले ही की जा सकती है, जो पढ़ाई में पीछे रह रहे हैं या जिनका स्कूल छोड़ने का जोखिम है, जिससे समय पर सुधारात्मक उपाय किए जा सकते हैं। डाटा पर प्रशिक्षित किया जाता है, तो यह अनुचित निर्णय ले सकता है, जिससे सामाजिक असमानता बढ़ सकती है। उच्च शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज एक शक्तिशाली उपकरण है, जो सही तरीके से उपयोग किए जाने पर सीखने की प्रक्रिया को सरल, सुगम और अधिक प्रभावशाली बना सकता है। हालांकि, इसे लागू करते समय नैतिक मानकों और मानवीय हस्तक्षेप को बनाए रखना आवश्यक है।

उच्च शिक्षा में शिक्षकों और छात्रों के लिए आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस (ए.आई.) महत्वपूर्ण है, क्योंकि ऐसी तकनीकों का उपयोग छात्रों के लिए बिना किसी सीमा के सीखने के अधिक लचीले समाधानों को बढ़ावा देता है। आटिफिशियल इंटैलीजैंस की मदद से दुनिया भर के विश्वविद्यालय बढ़े हुई लचीलेपन और गति के कारण अधिक संख्या में छात्रों का नामांकन कर रहे हैं। विकसित देशों ने आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक लागू किया है, जबकि विकासशील देश आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस के कार्यान्वयन के मामले में विकसित देशों की तुलना में अभी भी प्रारंभिक चरण में हैं।

उच्च शिक्षा में शिक्षकों और छात्रों के लिए आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस (ए.आई.) महत्वपूर्ण है, क्योंकि ऐसी तकनीकों का उपयोग छात्रों के लिए बिना किसी सीमा के सीखने के अधिक लचीले समाधानों को बढ़ावा देता है। आटिफिशियल इंटैलीजैंस की मदद से दुनिया भर के विश्वविद्यालय बढ़े हुई लचीलेपन और गति के कारण अधिक संख्या में छात्रों का नामांकन कर रहे हैं। विकसित देशों ने आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक लागू किया है, जबकि विकासशील देश आष्टफिशियल इंटैलिजैंस के कार्यान्वयन के मामले में विकसित देशों की तुलना में अभी भी प्रारंभिक चरण में हैं। इसलिए, उच्च शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपयोगिता से संबंधित इस अंतर को कम करने के लिए इसको अपनाने की आवश्यकता है।

आज कमजोर बुनियादी ढांचा, सूचना तक खराब पहुंच, संस्थानों से समर्थन की कमी, आवश्यक संसाधनों की अपर्याप्तता और खराब तकनीकी कौशल इत्यादि, ये सभी विकासशील देशों के लिए विभिन्न बाधाएं हैं, जो उच्च शिक्षा में एक उपकरण के रूप में आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस को लागू करना चाहते हैं। इसमें हम लोग भी शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अपने देश में उच्च शिक्षा की नुहार बदलने में सक्षम है, क्यों न इसके उच्च शिक्षा में उपयोग को बढ़ाने के लिए एक कारगर रणनीति रेखांकित की जाए? सागर मंथन में अमृत और जहर दोनों प्राप्त होते हैं। इसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उच्च शिक्षा में इस्तेमाल से कुछ विपरीत प्रभाव हो सकते हैं, क्योंकि भारत को दुनिया में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पीछे नहीं रहना है, इसलिए इन विपरीत प्रभावों को ठीक तरीके से हल करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सिर्फ उच्च शिक्षा ही नहीं और स्कूल शिक्षा के भी विकास का जोड़ीदार बनाना जरूरी है।

घरेलू गैस की महंगाई को लेकर गरजे आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता

संवाददाता–महराजगंज। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष रामकुमार पटेल की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने शनिवार को घरेलू गैस की महंगाई को लेकर जिला मुख्यालय पर धरना दिया। धरने के बाद कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबंधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंप कर कार्रवाई की मांग की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय देश की जनता लगातार बढ़ती मह्ंगाई से गम्भीर रूप से परेशान है। हाल ही में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर के दामों में 60 रुपये तथा कामर्शियल गैस सिलेंडर में 120 रुपये की वृद्धि में आम जनता और छोटे व्यापरियों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट और स्ट्रीट फूड से जुड़े छोटे कारोबारियों के सामने गम्भीर संकट खड़ा हो गया है। मुम्बई में लगभग 30 प्रतिशत होटल और रेस्टोरेंट बन्द हो चुके हैं। लगभग 50 प्रतिशत के बन्द होने की अशंका जताई जा रही है। तमिलनाडु में लगभग 10 हजार होटल और रेस्टोरेन्ट बन्द होने की कगार पर है, जबकि पंजाब और दिल्ली एनसीआर सहित कई राज्यों में हजारों छोटे व्यवसाय प्रभावित हो रहे हैं। पार्टी ने घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर के दामों में की गई हालिया वृद्धि को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की है।

कार–ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में परीक्षार्थी की मौत, दो घायल

संवाददाता–देवरिया। रुद्रपुर बरहज मार्ग पर थाना क्षेत्र के कपरवार चौराहा पर शनिवार को कार, ट्रैक्टर–ट्रॉली और बाइक की टक्कर हो गई। घटना में बाइक सवार दो युवक और साइकिल सवार समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। दूसरे युवक की स्थिति गम्भीर देख देवरिया मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। बाइक सवार मऊ से एसआई की परीक्षा देकर घर लौट रहे थे। घटना के बाद चालक सफारी लेकर फरार हो गया। भलुअनी थाना क्षेत्र के ग्राम भेड़ा पाकड़ निवासी बादल मिश्रा 22 पुत्र छोटेलाल मिश्र अपने साथी सौरभ यादव 24 पुत्र रमेश यादव के साथ सलामुद्दीन इंटर कॉलेज मऊ से परीक्षा देकर बाइक से घर लौट रहे थे।

दिन में करीब ढाई बजे कपरवार के फौजी नगर के निकट सफारी की ट्रैक्टर– ट्राली से सीधी टक्कर हो गई। इसी बीच ट्राली के पीछे से आ रहे बाइक सवार ट्राली से भिड़ गए। टक्कर इतनी तेज थी कि सौरभ यादव उछल कर ट्राली में जा गिरा। उसके सिर, सीना, चेहरा और पेट में गम्भीर चोटें आई। उधर नीचे गिरे बादल के पैर, पेट मे चोट लगी है। अस्पताल में चिकित्सक ने सौरभ को मृत घोषित कर दिया। ट्रैक्टर की चपेट में आए साइकिल सवार ओमहरि (13) पुत्र सीताराम निवासी कपरवार को हल्की चोटें आईं।इस सम्बंध में थानाध्यक्ष विशाल उपाध्याय ने बताया कि घटना में एक युवक की मौत हुई है, जबकि दो घायल हो गए। ट्रैक्टर–ट्रॉली को कब्जे ले लिया गया है, सफारी की तलाश की जा रही है।

देवरिया-बेलडाड़ मार्ग की गुणवत्ता जांचने लखनऊ से टीम पहुंची

संवाददाता–देवरिया। देवरिया–बेलडाड़ मार्ग की गुणवत्ता जांचने के लिए लखनऊ से एक दो सदस्यीय टीम शनिवार को देवरिया पहुंची। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस सड़क की जांच के दौरान देवरिया सदर के विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी भी मौके पर मौजूद थे। टीम ने कठिनईया वार्ड के पास मशीन का उपयोग कर सड़क की खुदाई की और निर्माण गुणवत्ता का आकलन किया। यह सड़क प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत वर्ष 2022 में स्वीकृत हुई थी। लगभग 20 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण कार्य 2024–25 में शुरू होकर 2025–26 में पूरा हुआ। पहले इसकी चौड़ाई लगभग 3.75 मीटर थी, जिसे बढ़ाकर 5.50 मीटर किया गया है। चौड़ीकरण के बाद इस मार्ग पर वाहनों का आवागमन भी बढ़ा है। विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने सड़क निर्माण में खराब गुणवत्ता और अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को शिकायत पत्र भेजा था। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा था कि सड़क निर्माण में अनावश्यक देरी हुई और काम पूरा होने के कुछ समय बाद ही सड़क पर गड्ढे, दरारें और असमान सतह जैसी समस्याएं दिखने लगी थीं, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लग गया था। विधायक की शिकायत को राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना विकास एजेंसी (एनआरआईडीए) ने गंभीरता से लिया और जांच के निर्देश जारी किए। इसके बाद राष्ट्रीय गुणवत्ता मॉनिटर (एनक्यूएम) संजीव गुप्ता और सीवीएस रामामूर्ति को इस जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई।

ई–रिक्शा चालक ने फंदा लगाकर जान दिया

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के नवीन मॉडर्न पुलिस थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक 22 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की शिनाख्त सुमित चौरसिया पुत्र कृष्ण कुमार, निवासी ग्राम पंचायत मिश्रौलिया के रूप में हुई है।परिजनों के अनुसार सुमित घर में अकेला रहता था और ई–रिक्शा चलाकर स्कूल के बच्चों को लाने–ले जाने का काम करता था। युवक की मौत की जानकारी शनिवार सुबह करीब सात बजे मृतक के मामा को मिली। सूचना मिलते ही वह तुरंत घर पहुंचे। वहां पहुंचने पर उन्होंने देखा कि सुमित का शव फंदे से उतारकर चारपाई पर रखा गया था। मामा ने बताया कि उन्होंने पहले ही परिजनों से शव को फंदे से न उतारने के लिए मना किया था, ताकि पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना की जांच कर सके और आवश्यक कार्यवाही कर सके।हालांकि उनके पहुंचने से पहले ही परिजनों ने युवक के शव को फंदे से उतार दिया था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। युवक की आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। युवक की मौत से परिवार में शोक की लहर है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिया रहमान ने युवा संसद प्रतियोगिता में पहला स्थान जीता

संवाददाता–देवरिया। बाबा राघवदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जिला स्तरीय विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, माय भारत और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। इस वर्ष का विषय ध्आपातकाल के 50 वषरू लोकतंत्र के लिए सीखष् था। प्रतियोगिता में जिले के 59 युवाओं ने पंजीकरण कर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में जिया रहमान ने प्रथम स्थान हासिल किया। सिद्धेश्वर ओझा द्वितीय, हर्षित दुबे तृतीय, वर्षा मद्धेशिया चतुर्थ और स्वस्तिका दुबे पंचम स्थान पर रहीं। इन प्रतिभागियों ने लोकतंत्र, युवाओं की भूमिका और राष्ट्र के विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवरिया के सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संकल्प के अनुरूप वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। सांसद त्रिपाठी ने वैश्वीकरण के दौर में स्थानीय नेतृत्व के महत्व पर जोर दिया और बताया कि युवाओं के स्वस्थ व सक्रिय रहने से ही देश के विकास को गति मिलेगी।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रताप नारायण सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्र निर्माण एक जटिल और बहुआयामी प्रक्रिया है, जिसमें सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक तत्वों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रो. सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी राष्ट्र की मजबूती उसकी सांस्कृतिक, भाषाई और धार्मिक एकता पर निर्भर करती है। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रो. पूजा नायक, प्रो. समरेंद्र बहादुर शर्मा, प्रो. भूपेंद्र मणि त्रिपाठी, डॉ. वेद प्रकाश सिंह और डॉ. आनंद मोहन शामिल थे। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रद्योत सिंह और डॉ. विजय कुमार पाल ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी चंद्र भूषण, महाविद्यालय के शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

डीएम आवास के पास हुए गोलीकांड में कार्रवाई, टीचर समेत 4 पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोण्डा। प्रॉपर्टी विवाद को लेकर कल हुई गोलीबारी के मामले में आज नगर कोतवाली पुलिस ने अध्यापक राम सिंह, उनकी बहन रुचि सिंह और दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। घटना के 20 घंटे बाद तहरीर मिलने पर यह कार्रवाई की गई मुख्य आरोपी राम सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है। गोली लगने से घायल सुजीत सिंह का लखनऊ के ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि उन्हें 10 से अधिक छर्रे लगे थे, जिनमें से कुछ निकाल लिए गए हैं जबकि कुछ अभी भी शरीर में हैं। घायल सुजीत सिंह के चचेरे भाई अजीत सिंह ने नगर कोतवाली में तहरीर दी है। अजीत सिंह के अनुसार, डीएम आवास के सामने स्थित राम सिंह और लक्ष्मण सिंह के मकान में पोस्ट ऑफिस खुला हुआ है, जहां वह नौकरी करते हैं। अजीत सिंह ने बताया कि कल देर शाम करीब 6 बजे लक्ष्मण सिंह, उनके भाई राम सिंह और बहन रुचि सिंह के बीच मकान को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के दौरान राम सिंह अपनी बंदूक ले आए और उनके साथ दो अन्य व्यक्ति भी थे जिनके हाथों में हथियार थे। इसी दौरान राम सिंह ने लक्ष्मण सिंह को गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी और फायरिंग कर दी। अजीत सिंह के मुताबिक, जब उन्होंने गाली देने से मना किया, तभी राम सिंह ने गोली चलाई। इस गोलीबारी में उनके बड़े पापा के लड़के सुजीत सिंह को गोली लगी। फायरिंग के बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस इस पूरे घटना में राम सिंह की बहन रुचि सिंह और दो अज्ञात व्यक्तियों की भूमिका के बारे में भी विस्तार से जांच कर रही है।

नगर कोतवाल बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि आज अजीत सिंह ने दोपहर में आकर के 2रू00 बजे के करीब तहरीर दिया है तुरंत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना कल शाम 6रू30 बजे के करीब हुई थी आरोपी राम सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। राम सिंह उनकी बहन रुचि सिंह और दो अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर प्रदर्शन

संवाददाता–बहराइच। गैस सिलेंडर की किल्लत के विरोध में आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। उन्होंने नगर मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर कालाबाजारी रोकने की मांग की।

आप के जिलाध्यक्ष फिरोज हैदर के नेतृत्व में शनिवार दोपहर को पार्टी कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने घरेलू गैस सिलेंडर की कमी और उसकी कालाबाजारी को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की।

जिलाध्यक्ष ने बताया कि एक ओर जहां व्यावसायिक सिलेंडरों पर रोक के कारण होटल और रेस्टोरेंट चलाने वाले परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर घरेलू गैस सिलेंडरों की कमी से घरों में खाना बनाने में भी लोगों को काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले में सिलेंडरों की जमकर कालाबाजारी हो रही है, जिस पर तत्काल रोक लगाने की आवश्यकता है।

कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन से कालाबाजारी करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। जिलाध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो पार्टी कार्यकर्ता बड़े पैमाने पर सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करेंगे।

तर्क एवं युक्ति संगत हैं वैदिक मान्यताएं– अमृतानंद

संवाददाता–श्रावस्ती। इकौना के आर्य समाज मंदिर में शनिवार को यज्ञ के साथ वार्षिकोत्सव का शुभरम्भ हुआ। इस दौरान सुबह आर्य समाज के लोगों ने विधि विधान से यज्ञ करके जनकल्याण व विश्व शांति की कामना की। साथ ही सहीं मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। हरिद्वार से आए आर्य विद्वान स्वामी वेद अमृतानंद सरस्वती ने कहा कि महर्षि दयानंद की ओर से प्रचारित सभी वैदिक मान्यताएं तर्क एवं युक्ति संगत हैं। महर्षि के सिद्धांत व मान्यताएं सत्य पर आधारित हैं। वेद मार्ग पर चलकर ज्ञान और विज्ञान की उन्नति व मानव का कल्याण हो सकता है। बरेली से आए भजनोपदेश भानु प्रकाश शास्त्री ने दयानंद सरस्वती को आर्यों का प्राण बताते हुए मानवता पर उनके उपकारों का वर्णन किया।

नोएडा से आईं अलका आर्य ने गीत के माध्यम से परिवार के सुख समृद्धि के सूत्र बताए। बहराइच से आए करण सिंह ने आर्य राष्ट्र बनाना है का संकल्प व्यक्त किया। सत्यनारायण आर्य तथा राजकुमार आर्य के नेतृत्व में आर्य वीर वीरांगनाओं ने शौर्य प्रदर्शन भी किया। यज्ञ के यजमान मुकेश मोदनवाल, शिल्पी मोदनवाल, अनिल नैय्यर, नीतू, संजय आर्य, वर्षा आर्य, संतोष चौधरी, सुशीला चौधरी रहे। यज्ञ के मौके पर हरिओम आर्य, कृष्ण कुमार आर्य, प्रदीप मोदनवाल, रामकुमार आर्य, प्रदीप मोदनवाल, राम कुंवर आर्य, निखिल, दिनेश जायसवाल, अजय नैय्यर, कविता नैय्यर, आत्माराम तिवारी, राधिका आर्य, सुषमा आदि मौजूद रहे।

परिचालन प्रबंधक पहुंचे नौतनवा रेलवे स्टेशन, यात्री सुविधाओं को देखा

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचे प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक राजेश कुमार ने पैसेंजर ट्रेनों के संचालन में हो रही देरी पर मातहतों को आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारियों के साथ पहुंचे प्रबंधक प्लेटफार्म के स्टेशन अधीक्षक के पैनल रूम में गए। उन्होंने हर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सुरक्षा पहलुओं की विशेष जांच की। स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का भी जायजा लिया। स्टेशन परिसर की साफ–सफाई पर असंतोष व्यक्त किया। प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक राजेश कुमार ने नौतनवा रेलवे स्टेशन के निरीक्षण के दौरान क्रू रेस्टरूम, परिचालन कक्ष, वाणिज्य कक्ष, आरपीएफ बैरक मालगोदाम यार्ड, आरक्षण हाल , प्लेटफार्म आदि के व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच पड़ताल की। यात्री सुविधाओं से जुड़े प्रतीक्षालय, साफ सफाई, पीने के पानी एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का मुआयना किया। प्रबंधन ने सुरक्षा के मद्देनजर सिग्नल प्रणाली, ट्रैक और परिचालक कर्मचारियों के सतर्कता की बारीकी से जांच की। उन्होंने स्टेशन मास्टर और अन्य कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ट्रेनों के समय पर संचालन एवं यात्रियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इस दौरान सहायक मंडल वाणिज्य प्रबंधक मुकेश कुमार, यातायात निरीक्षक उमाकांत सिंह एवं राजीव लोचन मिश्र, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक मिर्जा हाशिर बेग, जीएस पुरुषोत्तम, सीएस एसपी यादव, स्टेशन अधीक्षक जफरे आलम, धनंजय चौबे, राकेश कुमार, गौतम अग्रहरि, पायल जायसवाल, टीटीई राहुल यादव, संजय कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

भूमि धोखाधड़ी करने वाले तीन गिरफ्तार, एक ही जमीन का दो बार फर्जी बैनामा कराया

संवाददाता–बलरामपुर। कोतवाली देहात पुलिस ने भूमि धोखाधड़ी के एक मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन पर एक ही जमीन का दो बार फर्जी बैनामा कर धोखाधड़ी करने का आरोप है। पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ा।

इस मामले में ग्राम कोयलरा निवासी श्रीमती साकरून पत्नी स्वर्गीय जाकिर अली ने 10 मार्च 2026 को कोतवाली देहात थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि गांव के कादिर अली ने अपने वैध हिस्से की जमीन पहले ही बेच दी थी, इसके बावजूद उसने गाटा संख्या 542 और 544 की भूमि का दोबारा फर्जी बैनामा कर खतौनी में अपना नाम दर्ज करा लिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक गिरजेश तिवारी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। इस टीम ने शनिवार को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए उतरौला–बहराइच बाईपास रोड पर कलेक्ट्रेट मोड़, सुहागिनपुरवा के पास घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपी कादिर अली ने बताया कि गाटा संख्या 542 में उसका हिस्सा था, जिसे वह लगभग चार साल पहले ही बेच चुका था। इसके बावजूद, उसने वर्ष 2025 की खतौनी में अपना नाम दर्ज होने का फायदा उठाया और उसी जमीन को गाटा संख्या 544 के साथ रमेश कुमार जायसवाल को दोबारा बेच दिया। उसने यह भी बताया कि बाद में गलती का पता चलने पर उसने खरीदार को पैसे लौटाकर बैनामा निरस्त कराने की बात कही थी। वहीं, खरीदार रमेश कुमार जायसवाल ने पुलिस को बताया कि उसने लगभग चार महीने पहले यह जमीन खरीदी थी। बाद में उसे पता चला कि गाटा संख्या 542 की जमीन पहले ही बेची जा चुकी थी और गाटा संख्या 544 में भी वास्तविक हिस्से से अधिक जमीन का बैनामा किया गया था। इस जानकारी के बाद, उन्होंने तहसीलदार न्यायालय बलरामपुर में बैनामा निरस्त करने के लिए वाद दायर कर दिया है। पूछताछ में मनोज कुमार शुक्ला ने बताया कि उनकी पत्नी ममता शुक्ला के नाम से भी गाटा संख्या 544 में 10 बिस्वा जमीन का बैनामा कराया गया है। इसका खारिज–दाखिल (म्यूटेशन) अभी लंबित है। इसी वजह से जमीन के स्वामित्व को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई है। गिरफ्तार आरोपियों में कादिर अली (ग्राम कोयलरा, कोतवाली देहात),रमेश कुमार जायसवाल (धर्मपुर उतरौला रोड, कोतवाली नगर),मनोज कुमार शुक्ला (माल्तीकुंज कॉलोनी, नौव्वाबाग, कोतवाली नगर) शामिल है।

फ्लैपशेल कछुओं के साथ दबोचा गया तस्कर

संवाददाता–श्रावस्ती। वन विभाग व एसएसबी की संयुक्त टीम ने एक कछुआ तस्कर को गिरफ्तार किया। पकड़े गए तस्कर के कब्जे से दो इंडियन फ्लैपशेल कछुए बरामद किए गए। तस्कर के विरुद्ध केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया। वन विभाग व एसएसबी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक तस्कर दुर्लभ प्रजाति के कछुए के साथ बाइक से ककरदरी जंगल से निकलकर राप्ती बैराज के रास्ते से होकर जाने वाला है। सूचना मिलते ही एसएसबी सीमा चौकी प्रभारी अमित शर्मा व वन उपनिरीक्षक अशोक कुमार सिंह एसएसबी व वन विभाग की टीम के साथ तस्कर को पकड़ने के लिए साझा रणनीति बनाई।

इसके बाद सीमा स्तंभ संख्या 640ध्9 से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर बाइक सवार तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। जिसकी तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से दो फ्लैपशेल कछुए बरामद हुए। तस्कर की पहचान भिनगा कोतवाली के भोजपुर निवासी पंचमलाल पुत्र राजाराम के रूप में हुई। पूछताछ में तस्कर ने बताया कि वह कछुए को ककरदरी जंगल से पकड़कर लाया है।

कछुओं को लखीमपुर खीरी निवासी व्यक्ति को देना था। 40 हजार रुपये की कीमत तय हुई थी। कछुए को मल्हीपुर थाना क्षेत्र के राप्ती बैराज तक ही पहुंचाना था जहां से दूसरा व्यक्ति उसे रिसीव करता। कछुआ व बाइक जब्त कर आरोपी को ककरदरी वन चौकी को सौंप दिया गया। जहां उसके विरुद्ध केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

15 लाख ठगने पर हेड कांस्टेबल व स्टेनोग्राफर गिरफ्तार

संवाददाता–देवरिया। पुलिस ने एसपी कार्यालय में तैनात स्टेनोग्राफर और हेड कांस्टेबल को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने रिटायर्ड फौजी को पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर 15 लाख रुपए ठग लिए थे। रुपए वापस मांगने पर गाली–गलौज की।जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने तीन लोगों पर केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में आरोप सही मिलने पर पुलिस ने दोनों पुलिसकर्मियों को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। दोनों सादी वर्दी में थे। पुलिस दोनों को गाड़ी में बैठाकर अपने साथ ले गई। वहीं सिपाही की पत्नी फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। महुआडीह थाना क्षेत्र के रामपुर दुबे गांव निवासी प्रशांत कुमार द्विवेदी सेना से रिटायर्ड हैं। उनकी दो साल पहले 2023 में एसपी कार्यालय में तैनात स्टेनो अफजल खान और सिपाही दीपक सिंह से मुलाकात हुई थी। प्रशांत एसपी ऑफिस किसी काम से आए थे। प्रशांत की आरोपियों से जान पहचान बढ़ गई। इसी बीच दोनों ने प्रशांत को विश्वास में लेकर उन्हें पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने की बात की। इसके लिए प्रशांत से 15 लाख रुपए मांगे। प्रशांत ने आरोपियों की बातों पर भरोसा कर 3 दिसंबर 2024 को सिपाही दीपक सिंह की पत्नी साक्षी सिंह के बैंक खाते में 5 लाख रुपये ट्रांसफर किए। इसके बाद उन्होंने 10 लाख रुपये और दिए, जिससे कुल 15 लाख रुपए का भुगतान किया गया। आरोप है कि पैसे लेने के बाद दोनों आरोपी लगातार जल्द नौकरी दिलाने का आश्वासन देते रहे, लेकिन न तो नौकरी दिलाई और न ही पैसे वापस कर रहे थे।

पीड़ित प्रशांत कुमार द्विवेदी के अनुसार, दबाव बढ़ने पर आरोपियों ने पैसे लौटाने के नाम पर 29 अक्टूबर 2025 को प्रशांत को एक लाख रुपए का चेक दिया। यह चेक साक्षी सिंह के खाते से जारी किया गया था, लेकिन खाते में रुपए न होने के कारण चेक बाउंस हो गया। पीड़ित का आरोप है कि जब वह अपनी पत्नी के साथ पैसा मांगने दीपक सिंह के घर पहुंचे, तो वहां मौजूद दीपक सिंह, उनकी पत्नी साक्षी सिंह और स्टेनो अफजल खान ने गाली–गलौज करते हुए पैसे देने से इनकार कर दिया। इसके बाद प्रशांत कुमार द्विवेदी ने मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस से की। शिकायत के आधार पर कोतवाली थाने में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। जांच में आरोप सही पाए गए। इसके बाद पुलिस लाइन स्थित आवास से स्टेनोग्राफर अफजल खान और सेंट्रल पुलिस चौकी स्थित सरकारी आवास से हेडकांस्टेबल दीपक सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

एएसपी आनंद कुमार पाण्डेय ने बताया, नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले स्टेनोग्राफर और मीडिया सेल में तैनात हेडकांस्टेबल समेत 3 के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। तीसरी आरोपी कांस्टेबल की पत्नी है। मामले में दोनों पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया है। तीसरी की तलाश है। मामले की जांच की जा रही है।

गैस के लिए तड़के उमड़ी ग्राहकों की भीड़, लगी लंबी कतार

संवाददाता–देवरिया। शनिवार की सुबह गैस लेने को शहर के एक गैस गोदाम पर उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड पड़ी। भोर में चार पांच बजे से ही करीब 500 उपभोक्ता पर्ची कटाने और गैस लेने को कतार में लग गए। इसमें पुरुष, महिलाएं, युवतियां, बुजुर्ग और दिव्यांग शामिल रहे। उन्हें घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ा। इसमें कुछ को गैस नहीं मिलने से निराश होकर लौटना पड़ा। गैस की किल्लत अभी थमने का नाम नहीं ले रहा है। होम डिलीवरी के निर्देश के बावजूद भी लोग गैस लेने को भोर में ही गैस गोदामों पर पहुंच जा रहे हैं। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक यही हाल है व लोगों की पहली प्राथमिकता गैस सिलेंडर लेना हो गया है।

शनिवार को तड़के शहर के भुजौली कॉलोनी स्थित भारत गैस एजेंसी के गोदाम पर करीब 500 उपभोक्ता सिलेंडर लेने को पहुंच गए। शहर में उपभोक्ताओं को सिलेंडर की आपूर्ति करने को दो कंपनियों की पांच गैस एजेंसियां हैं। पिछले कुछ दिनों से लोग होम डिलीवरी की जगह गोदाम पर गैस लेने को पहुंच रहे हैं। शनिवार को भुजौली कॉलोनी स्थित देवरिया गैस सर्विस के गोदाम पर भारी संख्या में महिला, पुरुष युवतियां, बुजुर्ग और दिव्यांग गैस लेने को पहुंचे। गैस के लिए पहले पर्ची कटवाने और इसके बाद सिलेंडर लेने को अलग–अलग लाइन लगानी पड़ी। दोनों लाइनों में भारी संख्या में उपभोक्ता लगे रहे।शहर के रामगुलाम टोला निवासी सुदर्शन, न्यू कॉलोनी की सरिता देवी, देवरिया खास के जनार्दन प्रसाद, रामनाथ देवरिया के राजन सहित करीब 500 लोग गोदाम पर गैस लेने को पहुंचे थे। उन्हें पर्ची कटाने और सिलेंडर लेने को घंटों लाइन में खड़े रहना पड़ाव इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में भी गैस गोदाम पर सुबह ही भीड़ पहुंच गई। जहां पर भी गैस आने की सूचना मिली उपभोक्ताओं की लंबी कतार लग गई। हालांकि प्रशासन ने बुकिंग के बाद होम डिलीवरी करने का निर्देश दिया है, लेकिन लोग गोदाम पर ही गैस सिलेंडर लेने को पहली प्राथमिकता दे रहे हैं।

सीमा पर पुलिस–एसएसबी की कार्रवाई, तस्करी कर ले जाई जा रही नशीली दवाएं बरामद

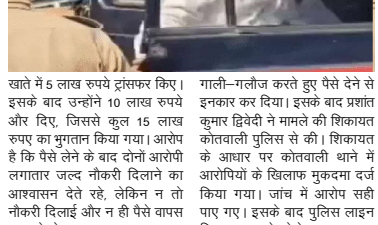

संवाददाता–महराजगंज। इंडो–नेपाल सीमा क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। वाहन चेकिंग के दौरान टीम ने एक बाइक सवार युवक को पकड़कर उसके पास से भारी मात्रा में नशीली दवाएं और इंजेक्शन बरामद की है। यह युवक बाइक से दवाओं की खेप लेकर नेपाल जाने की फिराक में था। पुलिस व एसएसबी की टीम राजाबारी झरही बंधे के पास संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान प्लेटिना बाइक पर सवार एक युवक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बाइक की डिग्गी में रखे एक झोले से 1272 टैबलेट प्रॉक्सीवान स्पास तथा बुप्रेनॉरफिन, प्रोमेथेजॉइन और डाइजापाम के कुल 138 एम्पुल इंजेक्शन बरामद हुए। बड़ी मात्रा में नशीली दवाएं मिलने के बाद टीम ने युवक को तत्काल हिरासत में ले लिया। पूछताछ में पकड़े गए युवक की पहचान मनीष कसौधन (20 वर्ष) निवासी सुनवल थाना सिंदुरिया–महराजगंज के रूप में हुई। मामले में आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8ध्22ध्23ध्29 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उसका न्यायालय चालान कर दिया गया।कार्रवाई के दौरान एसएसबी की सहायक कमांडेंट प्रिया यादव, एसआई अजीत तालुकदार, रामधनेश यादव, तरुण, अरविंद व पुलिस टीम से थानाध्यक्ष नवनीत नागर, एसएसआई बृजेश पांडेय व कांस्टेबल मृत्युंजय तिवारी मौजूद रहे। संयुक्त टीम की इस कार्रवाई से सीमा क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

ट्रक ने स्कूटी सवार को रौंदा शिक्षिका की मौत, बहन घायल

संवाददाता–गोरखपुर। बेकाबू ट्रक ने स्कूटी सवार शिक्षिका को कुचल दिया। हादसे में उसकी मौत हो गई। स्कूटी से गिरकर उसकी छोटी बहन घायल है। बहन ने बताया वह स्कूटी से निबिहवा रेलवे ओवरब्रिज के पास पहुंची थी। गोरखपुर की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। मृतक फुटहवा इनार स्थित एक निजी स्कूल पढ़ाने जा रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक उसे कुचलते हुए फरार हो गया। लोगों ने बताया कि चालक ट्रक लेकर देवरिया की तरफ फरार हो गया। हादसे के बाद गोरखपुर–देवरिया मार्ग पर करीब आधे घंटे तक लंबा जाम लगा रहा। सूचना मिलते ही चौरीचौरा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घायल को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने यातायात सुचारू कराया। साथ ही फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। मामला चौरीचौरा थाना क्षेत्र के ग्राम चौरी (टोला रामनगर) का बताया जा रहा है।

मृतक युवती की पहचान चौरीचौरा थाना क्षेत्र के ग्राम चौरी (टोला रामनगर) निवासी श्रेहा विश्वकर्मा(24) बेटी राजेंद्र विश्वकर्मा के रूप में हुई है। श्रेहा फुटहवा इनार स्थित एक निजी स्कूल में टीचर थी। शनिवार सुबह वह अपनी बहन खुशी विश्वकर्मा(20) के साथ स्कूटी से स्कूल जा रही थी। स्कूटी निबिहवा रेलवे ओवरब्रिज के पास पहुंची। गोरखपुर की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि श्रेहा सड़क पर गिर गईं। ट्रक का पहिया उन्हे कुचलता हुआ निकाल गया। श्रेहा के सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पीछे बैठी उनकी बहन खुशी दूर जा गिरी। जिससे उन्हें काफी चोटें आई हैं। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित देवरिया की तरफ तेजी से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक की रफ्तार अधिक थी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। गुस्साए ग्रामीणों और राहगीरों के कारण गोरखपुर–देवरिया मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। लगभग आधे घंटे तक सड़क पर लंबा जाम लगा रहा। हादसे की सूचना मिलते ही चौरीचौरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति को संभाला और लोगों को समझा–बुझाकर जाम खुलवाया। पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घायल बहन खुशी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका उपचार चल रहा है। हादसे की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आप ने किया महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन सिर पर सिलेंडर रखकर सरकार को घेरा

संवाददाता–संतकबीरनगर। आम आदमी पार्टी ने खलीलाबाद स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में बढ़ती महंगाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने एलपीजी गैस सिलेंडर और आवश्यक वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन अपर उप जिलाधिकारी को सौंपा। कार्यक्रम का नेतृत्व आप की महिला प्रदेश अध्यक्ष नीलम यादव ने किया। प्रदर्शन के दौरान, आप पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने केंद्र तथा प्रदेश सरकार की नीतियों के विरोध में जमकर नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई ने आम जनता को बुरी तरह प्रभावित किया है। पार्टी नेताओं ने कहा कि रसोई गैस, खाद्य सामग्री, दाल, तेल, सब्जी समेत रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। इससे गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं और मध्यम वर्ग सर्वाधिक प्रभावित हो रहा है। आप नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में पूरी तरह विफल रही है। उनका कहना था कि सरकार जनता को राहत देने के बजाय केवल झूठे वादों और प्रचार में व्यस्त है। आम आदमी पार्टी ने घोषणा की कि वह जनता की आवाज बनकर सड़कों पर संघर्ष जारी रखेगी। पार्टी ने संकल्प लिया कि जब तक महंगाई पर नियंत्रण नहीं होता, यह आंदोलन जारी रहेगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में बढ़ती महंगाई के खिलाफ संघर्ष को और तेज करने का संकल्प लिया। जिलाध्यक्ष दुर्विजय सिंह यादव ने कहा कि यह प्रदर्शन राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह के निर्देश पर आयोजित किया गया। इसके आयोजन में बौद्ध प्रांत अध्यक्ष इंजीनियर इमरान लतीफ ने भी भूमिका निभाई। उपस्थित प्रमुख लोगों में आम आदमी पार्टी संतकबीर नगर के जिलाध्यक्ष दुर्विजय सिंह यादव, जिला महासचिव अजय नारायण मिश्र, डॉ. डीके आर्या, प्रदीप, ब्रह्मदेव सिंह सैंथवार और डॉ. जीके सागर शामिल थे।

गैस सिलेण्डर की कमी के बीच निर्बाध चलेगी सीता रसोई, 200 कमर्शियल सिलिंडर की खेप पहुंची

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर की सीता रसोई में निर्बाध रूप से रामलला का भोग बनाया जाता रहेगा। इसके लिए फिलहाल वाणिज्यिक गैस सिलिंडर की व्यवस्था कर ली गई है। मंदिर स्थित सीता रसोई में भगवान का भोग बनता है। इस रसोई के अलावा श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से संबंधित अन्य भोजनालयों के संचालन का भी संकट दूर हो गया है। ट्रस्ट के नाम से दो सौ वाणिज्यिक गैस सिलिंडर का आवंटन किया गया है। पहली खेप भी पहुंच गई हैं। आवंटन प्राप्त होने के बाद अब ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित होने वाले विविध प्रकल्पों के भोजनालयों का समुचित संचालन हो पाएगा। इसकी पुष्टि जिला पूर्ति विभाग के एक अधिकारी ने की है। दरअसल, बीते कुछ दिनों से वाणिज्यिक गैस सिलिंडर की आपूर्ति बाधित होने के कारण रामनगरी के होटल, रेस्टोरेंट सहित भोजन के छोटे–छोटे प्रतिष्ठान भी बंद होने की कगार पर आ गए हैं। कई होटलों ने रेस्टोरेंट को तो बंद ही कर दिया है। कई ने कोयले की भठ्ठी का प्रबंधन कर किचेन संचालन की शक्ति जुटाई है।

गैस की किल्लत के प्रभाव राम मंदिर परिसर के बगल में संचालित हो रही राम रसोई पर पड़ा तो हलचल मच गई। यहां भी एक प्रहर का भोजनालय बंद है। यहां पर नित्य पांच से दस हजार भक्त निश्शुल्क भोजन करते हैं। इसके अलावा मंदिर परिसर में संचालित हो रही सीता रसाई, कारसेवकपुरम व तीर्थ क्षेत्र पुरम के अलावा राम निवास मंदिर में मंदिर की व्यवस्था में लगे लोगों व कर्मचारियों के भोजन का प्रबंधन होता है। इसमें से कुछ जगहों पर गैस की किल्लत महसूस की गई। सूत्र बताते हैं कि ट्रस्ट पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन के अधिकारियों से बात की और सिलिंडर की डिमांड बताई, तब जाकर दो सौ वाणिज्यिक गैस सिलिंडर की आपूर्ति को हरी झंडी मिली है। पूर्ति विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रामजन्मभूमि के लिए पहली खेप आई है, इसी में से वहां संचालित सभी प्रतिष्ठानों को गैस की आपूर्ति की जाएगी।

गैस सिलेंडर के लिए रात भर कतारः सैकड़ों लोग एजेंसी के बाहर ही रात बिताने को मजबूर

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले के डुमरियागंज कस्बे में रसोई गैस को लेकर उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। 13 और 14 मार्च की रात सैकड़ों लोग एचपी गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने के लिए लाइन में लगे रहे और पूरी रात एजेंसी के बाहर ही बिताने को मजबूर हुए। खाली सिलेंडरों की लंबी कतारें देर रात तक लगी रहीं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, गैस सिलेंडर की अनियमित आपूर्ति और वितरण व्यवस्था की धीमी गति इस स्थिति का मुख्य कारण है। कई उपभोक्ता शाम से ही अपने खाली सिलेंडर लेकर एजेंसी पहुंच गए थे, ताकि सुबह तक उनकी बारी आ सके। सैकड़ों सिलेंडर कतार में लगे रहे और उपभोक्ता पूरी रात एजेंसी परिसर तथा आसपास बैठे रहे।

उपभोक्ताओं ने ऑनलाइन बुकिंग में भी कई समस्याओं की जानकारी दी। उनका कहना है कि गैस बुकिंग के लिए भेजा जाने वाला ओटीपी मोबाइल पर प्राप्त नहीं हो रहा है, जिससे बुकिंग पूरी नहीं हो पा रही है। एजेंसी पर भी कई स्थानों पर बुकिंग का ओटीपी दिखाने के बाद ही सिलेंडर देने की बात कही जा रही है, जिससे लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

इस लंबी कतार में महिलाएं, बुजुर्ग और मजदूर वर्ग के लोग भी शामिल थे। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्हें अपने रोजमर्रा के कामकाज छोड़कर गैस सिलेंडर के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। कुछ लोगों ने यह भी चिंता व्यक्त की कि यदि समय पर गैस नहीं मिली, तो घरों में खाना बनाना भी मुश्किल हो जाएगा।

दूसरी ओर, प्रशासन लगातार यह दावा कर रहा है कि जिले में गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और उपभोक्ताओं को किसी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। अधिकारियों का कहना है कि गैस एजेंसियों को नियमित रूप से आपूर्ति की जा रही है।

माता प्रसाद पांडे बोले- पायल छोटा दिया हैः मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में पहुंचे, दुल्हनों को दिया सामान देखा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हुआ। आयोजन में नेता प्रतिपक्ष और इटवा से सपा विधायक माता प्रसाद पांडे भी पहुंचे। उन्होंने दुल्हनों को मिले सामान की जांच की। माता प्रसाद पांडे ने कहा– अभी मैं देख रहा था कि क्या–क्या सामान दिया गया है। थाली दी है, कटोरी दी है। पायल छोटा दिया है। उन्होंने आगे कहा– हमारी सरकार में हम लोग सामूहिक विवाह नहीं कराते थे। सीधे दुल्हन के खाते में पैसा भेज देते थे। माता प्रसाद पांडे कार्यक्रम स्थल पर करीब दोपहर दो बजे पहुंचे। उन्होंने कहा– मुझे कार्यक्रम का समय दोपहर 12 बजे से 2 बजे के बीच का बताया गया था, लेकिन उससे पहले ही कार्यक्रम समाप्त कर दिया गया। यह कार्यक्रम जिला मुख्यालय के बीएससी ग्राउंड में आयोजित किया गया।

समारोह में खाना खाने के दौरान 5 महिलाओं के जेवर चोरी हो गए। इन महिलाओं में ग्राम पंचायत अधिकारी शौपनिल श्रीवास्तव भी शामिल हैं। वह विकासखंड नौगढ़ मे ग्राम पंचायत अधिकारी पद पर तैनात हैं। पीड़ित महिलाएं रोने लगीं। मौके पर अफरा–तफरी जैसा माहौल बन गया। महिला पुलिस तुरंत उन्हें सरकारी वाहन से थाने ले गई। वहां ले जाकर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू की। पीड़ित महिलाओं में गीता का मंगलसूत्र, रीना के कान का झुमका, पिंकी का मंगलसूत्र और विंध्यवासिनी के कान का झुमका चोरी हो गया। वहीं, ग्राम पंचायत अधिकारी शौपनिल श्रीवास्तव का भी मंगलसूत्र चोरी हुआ है।

मंचीय कार्यक्रम के बाद विवाह की सभी रस्में पूरी कराई गईं और उसके बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। समारोह समाप्त होने के बाद दोपहर में सभी जोड़ों और उनके परिजनों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी। इसी दौरान चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। हालांकि, पुलिस मामले की जांच में जुटी है और कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ कर रही है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कुल 319 जोड़ों ने शादी की। जिसमें 226 जोड़े हिंदू धर्म के, 74 जोड़े बौद्ध धर्म और 19 जोड़े मुस्लिम धर्म के थे। समारोह में जिला अधिकारी शिवशरणप्पा,एसपी डॉ.अभिषेक महाजन, कपिलवस्तु से भाजपा विधायक श्यामधनी राही और अपना दल से शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। डुमरियागंज से सांसद जगदंबिका पाल मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया।

झोपड़ी में लगी भीषण आग, चार बकरियों की मौत, दो महिलाएं झुलसीं

संवाददाता–संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद के कांटे चौकी क्षेत्र अंतर्गत तेनुहारी दोयम ग्राम में स्थित एक फूस की बनी पशुशाला में अज्ञात कारण से आग लग गई। पशुशाला में पांच बकरियां बधी थी जिनमें से चार की मौत हो गई तथा एक अन्य बकरी गंभीर रूप से झुलस गई। बकरियों की बचाने के प्रयास में दो महिलाएं भी झुलस गई जिन्हें पुलिस ने एम्बुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भेजा।

शनिवार सुबह 6:00 बजे डायल 112 को सूचना मिली कि गनपत पुत्र सत्तन निवासी ग्राम तनुहारी दोयम के एक झोपड़ी में आग लग गई है। सूचना पर 112 पुलिस और कांटे चौकी प्रभारी उमाशंकर तिवारी अपने हमराहियों के साथ मौके पर पहुंचे।

ग्रामीणों ने आग बुझाई किंतु झोपडी में बंधी पांच बकरियां में से चार की जलने से मौत हो चुकी थी तथा एक बकरी आग से झुलस गई थी। बकरियों को बचाने के प्रयास में गणपत की पुत्रवधू लक्ष्मी देवी पत्नी चंद्र प्रकाश तथा पोती कामिनी पुत्री चंद्र प्रकाश उम्र करीब 17 वर्ष भी झुलस गई थी। पुलिस ने एंबुलेंस के माध्यम से दोनों को अस्पताल भेजा।

दिवार की खूंटी में लटका मिला विवाहिता का शव

संवाददाता–अयोध्या। इनायतनगर थाना क्षेत्र के भदोखरा पूरे सरायनामू गांव में शनिवार की रात एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे के अंदर दिवाल की खूंटी से लटका हुआ पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।जानकारी के अनुसार गांव निवासी प्रीति सिंह उम्र 29 वर्ष पत्नी चंद्रशेखर सिंह का शव घर के एक कमरे में संदिग्ध हालात में मिला। घटना की जानकारी मिलते ही मृतका के पिता पृथ्वीराज सिंह को सूचना दी गई, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को अवगत कराया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष रतन कुमार शर्मा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

पुलिस के अनुसार जब टीम मौके पर पहुंची तो विवाहिता का शव कमरे के फर्श पर पड़ा मिला। इसके बाद नायब तहसीलदार रंजन वर्मा को भी घटना की सूचना दी गई। उनके मौके पर पहुंचने के बाद पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि घटना की रात मृतका प्रीति सिंह उसके पति चंद्रशेखर सिंह और मृतका की बहन रिंकी एक ही कमरे में मौजूद थे। पति चंद्रशेखर सिंह के अनुसार रात करीब एक बजे उनकी नींद खुली तो पत्नी बिस्तर पर नहीं मिली। खोजबीन करने पर दूसरे कमरे में पत्नी का शव दीवार की खूंटी से दुपट्टे के सहारे लटकता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद घटना की जानकारी रिंकी ने अपने पिता पृथ्वीराज सिंह को दी। ग्रामीणों के अनुसार करीब तीन वर्ष पहले कुमारगंज थाना क्षेत्र के जोरियम गांव निवासी पृथ्वीराज सिंह की बेटी प्रीति सिंह की शादी सरायनामू निवासी चंद्रशेखर सिंह से हुई थी। मृतका का दो साल का एक बेटा भी है। दो साल का बेटा अपने ननिहाल मे नाना के पास है। घटना के बाद गांव में तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं। थानाध्यक्ष रतन कुमार शर्मा का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का सही कारण पता हो पाएगा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय भानपुर जिला–बस्ती

रामचन्दर
बनाम
राकेश कुमार आदि

1. राकेश कुमार 2. जितेन्द्र कुमार 3. चन्द्रकेश कुमार 4. राहुल 5. प्रमोद कुमार पुत्रगण टीड़ी 6. जगदीश प्रसाद 7. रामभवन 8. रामकिशुन पुत्रगण धर्मराज 9. रामतौल 10. मुरली प्रसाद पुत्रगण सोमन 11. रामकिशोर पुत्र राम कुमार 12. फूलराम 13. जगदम्बा 14. राम सागर 15. रामधीरज 16. रामजीत पुत्रगण रामरेखा 17. जमुना देवी पत्नी रामशंकर 18. राजाराम पुत्र रामआसरे निवासीगण मौजा औड़जंगल तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती 19. ग्राम पंचायत/प्रधान ग्राम औड़जंगल तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 23–03–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैस़ला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 12 माह 03 सन 2026 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

घर में घुसकर मारपीट, महिला सहित दो घायल

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। मालीपुर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते घर में घुसकर मारपीट का मामला सामने आया है। इस घटना में एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मालीपुर थाना क्षेत्र के तारा खुर्द उस्मापुर गांव निवासी कलावती ने पुलिस को बताया कि 12 मार्च की रात करीब 8:30 बजे वह अपनी बेटी काजल और बेटे राहुल के साथ घर के सामने बैठी थीं। कलावती के आरोप के मुताबिक, गांव के रामभरोस (पुत्र राम केवल), शिवांगी और महेशपुर निवासी राम मगन (पुत्र अज्ञात) एक राय होकर उनके घर आए और गाली–गलौज करने लगे। उन्होंने कथित तौर पर जान से मारने की नीयत से घर में घुसकर लाठी–डंडों से मारपीट शुरू कर दी। जान बचाने के लिए कलावती अपने परिवार के साथ घर के अंदर भागीं, लेकिन आरोपी वहां भी घुस आए और मारपीट करते रहे। जब वे शोर मचाकर बाहर निकलीं, तो आरोपियों ने दोबारा लाठी–डंडों से हमला किया। इस हमले में कलावती, उनके बेटे राहुल और बेटी काजल को गंभीर चोटें आईं। घायलों को तत्काल जिला अस्पताल अम्बेडकरनगर ले जाया गया, जहां कलावती का उपचार वार्ड नंबर 4 में जारी है। घटना की सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष स्वतंत्र कुमार मौर्य ने बताया कि कलावती की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

बहन के साथ नौकायन पर घूमतीं मिलीं गैंगरेप पीड़िता, लापता होने के बाद मचा था हड़कंप

संवाददाता–गोरखपुर। शहर के चर्चित होटल–हुक्का बार सामूहिक दुष्कर्म कांड की पीड़िता अपने बहन संग रामगढ़ताल क्षेत्र स्थित नौकायन पर घूमते मिल गईं। पीड़िता इसी इलाके में रहती है। पुलिस ने नौकायन से बरामद कर लिया है। पीड़िता की मां ने अपहरण का आरोप लगाते हुए पुराने आरोपियों पर रामगढ़ताल थाने में केस दर्ज कराया था। बताया जा रहा है कि मां से कहासुनी के बाद दोनों बहनें घर से निकल गईं थीं। जबकि मां का आरोप है कि दर्ज केस में समझौता करने के लिए दबाव बनाया जा रहा था।

बात न मानने पर बेटियों का अपहरण कर लिया गया। हालांकि पुलिस ने बहनों के बरामद होने के बाद जांच शुरू कर दी है। बहनों में से एक के लापता होने पर खुला था हुक्का बार कांड। बता दें कि रामगढ़ताल इलाके में रहने वाली मां के मुताबिक कुछ समय से तीन–चार लड़कियां उनके घर के पास किराए पर रह रही थीं। उन्होंने धीरे–धीरे बेटी से मेलजोल बढ़ाया और घर आना–जाना शुरू कर दिया। करीब तीन दिन पहले वही लड़कियां उनकी दोनों बेटियों को अपने साथ ले गईं, जिसके बाद से दोनों का कोई पता नहीं चला। इसी माह मुकदमे में सुनवाई होनी है।

आशंका है कि पीड़ित गवाही न करे इसलिए योजनाबद्ध तरीके से आरोपितों ने सहयोगी लड़कियों को पड़ोस में कमरे पर रखवाया। मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही होटल व हुक्का बार संचालक समझौता करने का दबाव बना रहे थे, लेकिन वह तैयार नहीं हुई। समझौते के दबाव में अपहरण का आरोप लगा मां ने केस किया था। दरअसल, बहनों में से एक के लापता होने के बाद ही हुक्का बार में बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म का मामला समाने आया था। तब पुलिस ने शाहपुर इलाके के हुक्का सहित कई होटलों पर कार्रवाई करते हुए 18 लोगों को जेल भेजा था। पुलिस ने जब जांच तेज की तो पता चला कि दोनों बहनें रामगढ़ताल के किनारे घूमते हुए मिलीं। पुलिस ने उन्हें बरामद कर जांच शुरू कर दी है। एसपी सिटी, अभिनव त्यागी ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि तारामंडल इलाके में घर से निकली दोनों लड़कियों को बरामद कर लिया गया है। अभी तक की पूछताछ में पता चला कि दोनों अपनी मां की डांट के बाद घर से चली गई थी और एक कमरा लेकर रह रहीं थीं। दोनों को नौकायान के पास से बरामद किया गया है। मामले में पुलिस की पूछताछ और जांच जारी है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

थाना दिवस में चार शिकायतें मिलीं: दो पुलिस, दो राजस्व विभाग से संबंधित, अधिकारियों ने दिए निर्देश

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जलालपुर स्थित कोतवाली में शनिवार को सम्पूर्ण थाना दिवस का आयोजन किया गया। उप जिलाधिकारी राहुल गुप्ता और क्षेत्राधिकारी अनूप कुमार सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस दौरान कुल चार शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें दो पुलिस विभाग और दो राजस्व विभाग से संबंधित थीं।

थाना दिवस में फरियादियों की समस्याओं को सुना गया और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर कोतवाल अजय कुमार यादव और उप निरीक्षक जैद अहमद सहित अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि थाना दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं का समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण करना है।

प्राप्त शिकायतों में उस्मानपुर जलालपुर निवासी बेबी पुत्री कुंदन ने पारिवारिक विवाद से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। एक अन्य शिकायत वसुने पत्नी भागी छोटू द्वारा भी दी गई, जिसका विवरण पुलिस विभाग से संबंधित था।

राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतों में बड़ा गांव निवासी सत्य रूपा पत्नी श्रीकृष्ण ने जमीन से जुड़े विवाद को लेकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। वहीं, पेठिया जलालपुर निवासी विजय प्रकाश पुत्र मिठाई लाल ने लेखपाल से संबंधित एक प्रकरण उठाया।

अधिकारियों ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। राजस्व से जुड़े मामलों में लेखपाल और संबंधित अधिकारियों को जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया, जबकि पुलिस से जुड़े मामलों में आवश्यक कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

प्रशासन ने आम जनता से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए थाना दिवस में शिकायतें दर्ज कराएं। इस दौरान थाना परिसर में सुरक्षा व्यवस्था भी सुदृढ़ रखी गई।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com